राग : खमाज

राग माहिती

वादी स्वर	गांधार 'ग'
संवादी स्वर	धैवत 'ध'
वर्जित स्वर	आरोह मे रिषभ ''रे''
जाति	षाडव-संपूर्ण
गायन समय	रात्रिका दुसरा प्रहर
विकृत स्वर	अवरोहमे निषाद कोमल प्रयुक्त होता हे।

आरोह	सा	ग	म	ष	ध	नी	सां	
अवरोह	सां	नी	ध	प	म	ग	रे	सा
पकड	सा	गमपध	गमग					

थाट : खमाज

स्वरमालिका (राग खमाज)

SHAISHAV

स्थाइ

ताल : तीनताल

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
X				२				0				३			
												गम	गसा	ग	म
प	–	–	–	प	ध	नी	सां	नी	ध	प	–	प	ध	ग	म
ग	–	–	–	प	म	ग	रे	सा	नी	सा	–	साम	ग	गप	म
मध	प	प	प	धरे	सांनी	धप	मग	धप	मग	रेसा	नीसा				

अंतरा

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
X				२				0				३			
												ग	म	ध	नी
सां	नी	सां	–	धनी	पध	सांनी	रेंसां	नी	ध	प	प	प	ध	सां	रें
गंमं	गरें	सांनी	सां	रें	रें	सां	नी	ध	ध	प	प	सांनी	धप	ध	ध
धप	मग	प	प	पम	गरे	ग	ग	गरे	सानी	सा	सा				

छोटा ख्याल – बंदीश (राग खमाज)

ताल : तीनताल

श्याम चुनरीया दे दे मोरी, बार बार कर जोरत तुमसे , तन मोरी कांपन लागी देखो मुरारी

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
X				२				0				३			
						श्या	म	चु	न	री	या	--	दे–	–	दे
						प	पध	सां	नी	ध	प	धप	मग	रे	ग
मो	–	री	–	–	–	–	–	बा	–	र	बा	–	र	क	र
मो	–	प	–	प	–	–	–	ग	ग	ग	ग	ग	म	रे	ग
जो–		र	त	तु	म–	से	–	त	न	मो	री	कां	पन	ला	गी
गम	पध	ग	म	ग	रेग	सा	–	सा	सा	ग	म	प	पप	प	ध
दे	खो	–	मु	रा	–	री	–								
नी	सां	नी	सां	नी	ध	प	प								

आवत देखत जन सब हमको, जाय सास घर कहे सब उनको, हाय दइ अब कैसे करूंरी

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
X				२				0				३			
								आ	–	व	त	दे	–	ख	त
								ग	म	ग	म	प	प	नी	नी
ज	न	स	ब	ह	म	को	–	ज़ा	–	य	सा	–	स	घ	र
सां	सां	सां	सां	नी	रें	सां	–	नी	–	नी	नी	–	सां	ध	नी
क	हे	स	ब	उ	न	को	–	हा	–	–	य	दइ	–	अ	ब
सां	रें	नी	सां	नी	ध	प	प	ग	ग	ग	म	प	पप	प	ध
कै	से	–	क	रूं	–	री	–								
नी	सां	नी	सां	नी	ध	प	प								